Toppersnotes
Unleash the topper in you

हिमाचल प्रदेश
पटवारी

Revenue Department of Himachal Pradesh

भाग – 1

हिन्दी एवं अंग्रेजी

SIERRA INNOVATIONS

HIMACHAL PRADESH PATWARI

विषय सूची

हिन्दी

1.	भाषा	1
2.	ध्वनि	3
3.	संधि	6
2.	समास	12
3.	उपसर्ग	16
4.	प्रत्यय	19
5.	तत्सम – तद्भव	23
6.	विदेशी एवं देशज शब्द	25
7.	संज्ञा	28
8.	सर्वनाम	30
9.	विशेषण	32
10.	क्रिया	35
11.	अव्यय	37
12.	लिंग	40
13.	वचन	45
14.	काल	50
15.	वृत्ति	52
16.	पक्ष	54
17.	वाच्य	56
18.	रस	59
19.	छन्द	61
20.	अलंकार	68
21.	वाक्य	72
22.	वाक्य – शुद्धि	76
23.	शुद्ध वाक्य	79
24.	विराम चिह्न और उनके प्रयोग	86
25.	पर्यायवाची	90
26.	विलोम – शब्द	100

27.	शब्द युग्म	107
28.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	117
29.	मुहावरे	122
30.	लोकोक्ति	134

English

1.	Part of Speech	
	• Noun	151
	• Pronoun	162
	• Adjective	171
	• Verb	178
	• Adverb	187
	• Preposition	194
	• Conjunction	202
2.	Time & Tense	207
3.	Articles	215
4.	Subject-Verb-Agreement	220
5.	Voice	227
6.	Narration	234
7.	Vocabulary	
	• Synonyms & Antonyms	245
	• Phrasal Verb	257
	• Idioms & Phrases	267
	• One Word Substitution	280
	• Spelling Correction	292
8.	Reading Comprehension	300
9.	Cloze Test	306
10.	Fillers	313
11.	Sentence Improvement	317

भाषा

''भाषा वह साधन है, जिसके माध्यम से मनुष्य बोलकर, लिखकर या संकेत पर परस्पर अपना विचार सरलता, स्पष्टता, निश्चितता तथा पूर्णता के साथ प्रकट करता है ।

बोली

''बोली किसी भाषा के एक ऐसे सीमित क्षेत्रीय रूप को कहते हैं जो ध्वनि, रूप, वाक्य गठन, अर्थ, शब्द-समूह तथा मुहावरे आदि की दृष्टि से उस भाषा के परिनिष्ठित तथा अन्य क्षेत्रीय रूपों से भिन्न होता है; किन्तु इतना भिन्न नहीं कि अन्य रूपों के बोलनेवाले उसे समझ न सकें, साथ ही जिसके अपने क्षेत्र में कहीं भी बोलनेवालों के उच्चारण, रूप-रचना, वाक्य-गठन, अर्थ, शब्द-समूह तथा मुहावरों आदि में कोई बहुत स्पष्ट और महत्त्वपूर्ण भिन्नता नहीं होती ।''

भाषा का क्षेत्र व्यापक हुआ करता है । इसे सामाजिक, साहित्यिक, राजनैतिक, व्यापारिक आदि मान्यताएँ प्राप्त होती हैं; जबकि बोली को मात्र सामाजिक मान्यता ही मिल पाती है । भाषा का अपना गठित व्याकरण हुआ करता है; परन्तु बोली का कोई व्याकरण नहीं होता । हाँ, बोली ही भाषा को नये-नये बिम्ब, प्रतीकात्मक शब्द, मुहावरे, लोकोक्तियाँ आदि समर्पित करती है । जब कोई बोली विकास करते-करते उक्त सभी मान्यताएँ प्राप्त कर लेती है, तब वह वोली न रहकर भाषा का रूप धारण कर लेती है। जैसे-खडी बोली हिन्दी जो पहले (द्विवेदी-युग से पूर्व) मात्र प्रांतीय भाषा या बोली मात्र थी वह आज भाषा ही नहीं राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त कर चुकी है ।

एक बोली जब मानक भाषा बनती है और प्रतिनिधि हो जाती है तो आस-पास की बोलियों पर उसका भारी प्रभाव पडता है । आज की खडी बोली ने ब्रज, अवधी, भोजपुरी, मैथिली, मगही आदि सभी को प्रभावित किया है । हाँ, यह भी देखा जाता है कि कभी-कभी मानक भाषा कुछ बोलियों को बिल्कुल समाप्त भी कर देती है । एक बात और है, मानक भाषा पर स्थानीय बोलियों का प्रभाव ही देखा जाता है ।

एक उदाहरण द्वारा इसे आसानी से समझा जा सकता है- बिहार राज्य के बेगूसराय खगडिया, समस्तीपुर आदि जिलों में प्रायः ऐसा बोला जाता है-

हम कैह देंगे । हम नै करेंगे आदि ।

भोजपुर क्षेत्र में : हमें लौक रहा है (दिखाई पड रहा है) । हम काम किये (हमने काम किया)

पंजाब प्रान्त का असर : हमने जाना है (हमको जाना है) ।

दिल्ली-आगरा क्षेत्र मे : वह कहवे था/मैं जाऊँ । मेरे को जाना है ।

कानपुर आदि क्षेत्रों में : वह गया हैगा ।

एक भाषा के अंतर्गत कई बोलियाँ हो सकती हैं, जबकि एक बोली में कई भाषाएँ नहीं होतीं ।

बोली बोलनेवाले भी अपने क्षेत्र के लोगों से तो बोली में बातें करते हैं; किन्तु बाहरी लोगों से भाषा का ही प्रयोग करते हैं ।

ग्रियर्सन के अनुसार भारत में 6 भाषा-परिवार, 179 भाषाएँ और 544 बोलियों हैं-

(क) भारोपीय परिवार : उत्तरी भारत में बोली जानेवाली भाषाएँ ।

(ख) द्रविड परिवार : तमिल, तेलुगु, कन्नड, मलयालम ।

(ग) आस्ट्रिक परिवार : संताली, मुंडारी, हो, सवेरा, खडिया, कोर्क, भूमिज, गदवा, पलौंक, वा, खासी, मोनख्मे, निकोबारी ।

(घ) तिब्वती चीनी : लुशेइ, मेइथेइ, मारो, मिश्मी, अबोर-मिरी, अक ।

(ड) अवर्गीकृत : बुरूशास्की, अंडमानी भर

(च) करेन तथा मन : बर्मा की भाषा (जो अब स्वतंत्र है)

हिन्दी भाषा

बहुत सारे विद्वानों का मत है कि हिन्दी भाषा संस्कृत से निष्पन्न है; परन्तु यह बात सत्य नहीं है । हिन्दी की उत्पत्ति प्राकृत से । प्राकृत भाषा अपने पहले की पुरानी बोलचाल की संस्कृत से निकली है । स्पष्ट है कि हमारे आदिम आर्यों की भाषा पुरानी संस्कृत थी । उनके नमूने ऋग्वेद में दिखते हैं । उसका विकास होते-होते कई प्रकार की प्राकृत भाषाएँ पैदा हुई । हमारी विशुद्ध संस्कृत किसी पुरानी प्राकृत से ही परिमार्जित हुई । प्राकृत भाषाओं के बाद अपभ्रंशों का जन्म हुआ और उनसे वर्तमान संस्कृतोत्पन्न भाषाओं की । हमारी वर्तमान हिन्दी, अर्द्धगामी और शौरसेनी अपभ्रंश से निकली है ।

हिन्दी भाषा और उसका साहित्य किसी एक विभाग और उसके साहित्य के विकसित रूप नहीं हैं; वे अनेक विभाषाओं और उनके साहित्यों की समष्टि का प्रतिनिधित्व करते हैं । एक बहुत बडे क्षेत्र-जिसे चिरकाल से मध्यदेश कहा जाता रहा है-की अनेक बोलियों के ताने-बाने से बुनी यही एक ऐसी आधुनिक भाषा है, जिसने अनजाने और

अनौपचारिक रीति से देश की ऐसी व्यापक भाषा बनने का प्रयास किया था, जैसी संस्कृत रहती चली आई थी; किन्तु जिसे किसी नवीन भाषा के लिए अपना स्थान तो रिक्त करना ही था ।

वर्तमान हिन्दी भाषा का क्षेत्र बड़ा ही व्यापक हो चला है । इसे निम्नलिखित विभागों में बाँटा गया है–

(क) बिहारी भाषा : बिहारी भाषा बँगला भाषा से अधिक संबंध रखती है । यह पूर्वी उपशाखा के अंतर्गत है और बँगला, उड़िया और आसामी की बहन लगती है । इसके अंतर्गत निम्न बोलियाँ हैं- मैथिली, मगही, भोजपुरी, पूर्वी आदि । मैथिली के प्रसिद्ध कवि विद्यापति ठाकुर और भोजपुरी के बहुत बड़े प्रचारक भिखारी ठाकुर हुए ।

(ख) पूर्वी हिन्दी : अर्द्धमागधी प्राकृत के अपभ्रंश से पूर्वी हिन्दी निकली है । गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस-जैसे महाकाव्यों की रचना पूर्वी हिन्दी में ही की । दूसरी तीन बोलियाँ हैं- अवधी, बघेली और छत्तीसगढ़ी । मलिक मोहम्मद जायसी ने अपनी प्रसिद्ध रचनाएँ इसी भाषा में लिखी हैं ।

(ग) पश्चिमी हिन्दी : पूर्वी हिन्दी तो बाहरी और भीतरी दोनों शाखाओं की भाषाओं के मेल से बनी है; परन्तु पश्चिमी हिन्दी का संबंध भीतरी शाखा से है ।

यह राजस्थानी, गुजराती और पंजाबी से संबंध रखती है । इस भाषा के कई भेद हैं--हिन्दुस्तानी, ब्रज, कन्नौजी, बुँदेली, बाँगरू और दक्षिणी ।

गंगा-यमुना के बीच मध्यवर्ती प्रान्त में और उसके दक्षिण दिल्ली से इटावे तक ब्रजभाषा बोली जाती है । गुड़गाँव और भरतपुर, करौली और ग्वालियर तक ब्रजभाषी हैं । इस भाषा के कवियों में सूरदास और बिहारीलाल ज्यादा चर्चित हुए ।

कन्नौजी, ब्रजभाषा से बहुत कुछ मिलती-जुलती है । इटावा से इलाहाबाद तक इसके बोलनेवाले हैं । अवध के हरदोई और उन्नाव में यही भाषा बोली जाती है ।

बुँदेली बुंदेलखंड की बोली है । झाँसी, जालौन, हमीरपुर और ग्वालियर के पूर्वी प्रान्त, मध्यप्रदेश के दमोह छत्तीसगढ़ के रायपुर, सिउनी, नरसिंहपुर आदि स्थानों की बोली बुँदेली है । छिंदवाड़ा और हुशंगाबाद के कुछ हिस्सों में भी इसका प्रचार है ।

हिसार, झींद, रोहतक, करनाल आदि जिलों में बाँगरू भाषा बोली जाती है। दिल्ली के आसपास की भी यही भाषा है ।

दक्षिणी हिन्दी बोलनेवाले मुंबई, बरौदा,बरार, मध्य प्रदेश, कोचीन, कुग, हैदराबाद, चेन्नई, माइसोर और ट्रावनकोर तक फैले है । इन क्षेत्रों के लोग मुझे या मुझको की जगह 'मेरे को' बोलते है ।

भारत की भाषाओं की सूची		
क्र. सं.	भाषाएँ	बोलनेवालों का अनुपात % में
1	संस्कृत	0.01
2	मैथिली	0.9
3	मराठी	7.5
4	नेपाली	0.3
5	पंजाबी	2.8
6	संथाली	0.6
7	मलयालम	3.6
8	मणिपुरी	0.2
9	असमिया	1.6
10	ओड़िया	3.4
11	गुजराती	4.9
12	कश्मीरी	0.5
13	कन्नड	3.9
14	डोगरी	0.2
15	कोंकणी	0.2
16	बांग्ला	8.3
17	तमिल	6.3
18	सिंधी	0.3
19	उर्दू	5.2
20	बोडो	0.1
21	तेलुगू	7.9
22	हिन्दी	40.2

देवनागरी लिपि

'हिन्दी' और 'संस्कृत' देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। 'देवनागरी लिपी का विकास 'ब्राह्मी लिपी' से हुआ, जिसका सर्वप्रथम प्रयोग गुजरात नरेश जयभट्ट के एक शिलालेख में मिलता है । 8वीं एवं 9वीं सदी में क्रमशः राष्ट्रकूट नरेशों बड़ौदा के ध्रुवराज ने अपने देशों में इसका प्रयोग किया था । महाराष्ट्र में इसे 'बालबोध' के नाम से संबोधित किया गया ।

देवनागरी लिपि पर तीन भाषाओं का बड़ा महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ा ।

(i) फारसी प्रभाव : पहले देवनागरी लिपि में जिह्वामूलीय ध्वनियों को अंकित करने के चिह्न नहीं थे, जो बाद में फारसी से प्रभावित होकर विकसित हुए- क़, ख़, ग़, ज़, फ़ ।

(ii) बांग्ला-प्रभाव : गोल-गोल लिखने की परम्परा बांग्ला लिपि के प्रभाव के कारण शुरू हुई ।

(iii) रोमन-प्रभाव : इससे प्रभावित हो विभिन्न विराम-चिह्नों, जैसे--अल्प विराम, अर्द्धविराम, प्रश्नसूचक चिह्न, विस्मयसूचक चिह्न, उद्धरण चिह्न एवं पूर्ण विराम में 'खडी पाई' की जगह 'बिन्दु' (च्वपदज) का प्रयोग होने लगा ।

देवनागरी लिपि की विशेषताएँ :

- इसके ध्वनिक्रम पूर्णतया वैज्ञानिक हैं ।
- प्रत्येक वर्ग में अघोष फिर सघोष वर्ण हैं।
- वर्गों की अंतिम ध्वनियाँ नासिक्य हैं ।
- छपाई एवं लिखाई दोनों समान हैं ।
- ह्रस्व एवं दीर्घ में स्वर बँटे हैं ।
- निश्चित मात्राएँ हैं ।
- उच्चारण एवं प्रयोग में समानता हैं ।
- प्रत्येक के ढिए अलग लिपि चिह्न हैं ।

ध्वनि

'ध्वनि' का अर्थ है-वर्ण या भाषा की लघुतम इकाई । इसका खंड या टुकडा नहीं हो सकता ।
अर्थात 'वर्ण वह मूल ध्वनि है, जिसका खंड नहीं होता ।''
वर्णों या ध्वनियों के क्रमबद्ध समूह को 'वर्णमाला' कहते हैं । हिन्दी वर्णमाला में कुल 46 वर्ण हैं-

1. स्वर वर्ण (11)

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ और औ ।
स्वर वर्णों का उच्चरण बिना रुके लगातार होता है । ऊपर के किसी वर्ण का उच्चारण लगातार किया जा सकता है सिर्फ 'ऋ' वर्ण को छोडकर; क्योंकि ऋ का लगातार उच्चारण करने पर 'इ' स्वर आ जाता है ।
उच्चारण में लगनेवाले समय के आधार पर स्वर वर्णों को दो भागों में बाँटा गया है-
(a) मूल या ह्रस्व स्वर- अ, इ, उ और ऋ
(b) दीर्घ स्वर-आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, और औ
ए : अ/आ + इ/ई (गुण होने के कारण)
ओ : अ/आ + उ/ऊ (गुण होने के कारण)
ऐ : अ/आ + ए (वृद्धि होने के कारण)
औ : अ/आ + ओ (वृद्धि होने के कारण)
जाति के अनुसार स्वर वर्णों को दो भागों में रखा गया है-
(a) सजातीय/सवर्ण स्वर : इसमें सिर्फ मात्रा का अंतर होता है । ये ह्रस्व और दीर्घ के जोडेवाले होते हैं । जैसे-
अ-आ इ-ई उ-ऊ
(b) विजातीय/असवर्ण स्वर : ये दो भिन्न उच्चारण स्थानवाले होते हैं । जैसे-
अ-इ उ-ओ आदि ।
स्वरों के प्रतिनिधि रूप, जिनसे व्यंजन वर्णों का उच्चारण हो पाता है 'मात्रा' कहते हैं ।

2. व्यंजन वर्ण (33)

व्यंजन वर्णों का उच्चारण रुक-रूक कर होता है । ये वर्ण आधी मात्रावाले होते हैं, इसलिए बिना स्वर के इनका उच्चारण असंभव है ।
व्यंजन वर्णो को तीन भागों में बाँटा गया है-
(क) स्पर्श व्यंजन : ये वर्ण विभिन्न वागिन्द्रियों (कंठ, तालु, मूर्द्धा, दन्त, ओष्ठ आदि) से स्पर्श क कारण उच्चरित होते हैं । इसके अंतर्गत निम्नलिखित वर्ण आते है-
कवर्ग : क् ख् ग् घ् ङ्

चवर्ग : च् छ् ज् झ् ञ
टवर्ग : ट् ठ् ड् ढ् ण् (ड़, ढ़)
तवर्ग : त् थ् द् ध् न्
पवर्ग : प् फ् ब् भ् म्

(ख) अन्तःस्थ व्यंजन : ये वर्ण स्पर्श एवं ऊष्म के बीच आते हैं । इसके अंतर्गत य्, र्, ल् और व्- ये चार ध्वनियाँ आती हैं ।

(ग) ऊष्म व्यंजन : ये ऐसे वर्ण हैं, जिनके उच्चारण में विशेष घर्षण के कारण मुख से गर्म हवा निकलती है । इसके अंतर्गत श्, ष्, स् और ह् आते हैं ।

(iii) अयोगवाह वर्ण : 'अनुस्वार' और 'विसर्ग' अयोगवाह वर्ण हैं । ये स्वर एवं व्यंजन दोनों द्वारा ढोए जाते हैं । जैसे-

अं-अः (स्वर द्वारा) कं-कः (व्यंजन द्वारा)

उच्चारण में वायु-प्रक्षेप की दृष्टि से या काकल के आधार पर वर्णों के दो प्रकार हैं-

(क) अल्पप्राण : ऐसे वर्ण, जिनके उच्चारण में वायु की सामान्य मात्रा रहती है और हकार-जैसी ध्वनि बहुत ही कम होती है । इसके अंतर्गत सभी स्वर वर्ण, वर्गों के प्रथम, तृतीय और पंचम वर्ण, अनुस्वार और अन्तःस्थ व्यंजन आते हैं । इसकी कुल संख्या 11 + 15 + 1 + 4 =31 है ।

(ख) महाप्राण : महाप्राण ध्वनियों के उच्चारण में वायु की पर्याप्त मात्रा होती है, जिसके कारण हकार-जैसी ध्वनि स्पष्ट दिखती है । इसके अंतर्गत सभी वर्गों के द्वितीय और चतुर्थ व्यंजन, विसर्ग और ऊष्म व्यंजन आते हैं । इसकी कुल संख्या 10 + 1 + 4 = 15 है ।

स्वर-तंत्री के आधार पर वर्णों को दो अन्य भागों में भी बाँटा गया है ।

(क) घोष या सघोष वर्ण : घोष ध्वनियों के उच्चारण में स्वर-तंत्रियाँ आपस में मिल जाती हैं और वायु धक्का देते बाहर निकलती है । फलतः झंकृति पैदा होती है । इसके अंतर्गत सभी स्वर वर्गों के तृतीय, चतुर्थ और पंचम वर्ण, अन्तःस्थ और ह आते हैं ।

(ख) अघोष वर्णों के उच्चारण में स्वर-तंत्रियाँ परस्पर नहीं मिलती । फलतः वायु, आसानी से निकल जाती हे । इस वर्ग में वर्गों के प्रथम और द्वितीय वर्ण और तीनों स (श, ष, स) आते है ।

आभ्यन्तर प्रयल के आधार पर स्वरों को चार और व्यजनों को आठ वर्गों में रखा गया है-

	प्रकार	वर्ण
स्वर	संवृत स्वर	इ, ई, उ और ऊ
	अर्द्धसंवृत स्वर	ए, ऐ, ओ और औ
	अर्द्धविवृत स्वर	अ
	विवृतस्वर	आ

	प्रकार	वर्ण
व्यंजन	स्पर्श व्यंजन	क, ख, ग, घ, च, छ, ज, झ, ट, ठ, ड, ढ, त, थ, द, ध, प. फ, व, भ
	स्पर्श संघर्षी व्यंजन	न, छ, ज और झ
	संघर्षी व्यंजन	म, श, ह, ख, ग, ज, फ और व
	अनुनासिक	छ, ज, ण, न, म और अनुस्वार
	पार्श्विक	ल
	लुंठित/प्रकंपी	र
	उत्क्षिप्त	ड, ढ
	अर्द्ध स्वर	य और व

उच्चारण-स्थान की दृष्टि से वर्णों को निम्नलिखित भागों में बाँटा गया है-

प्रकार	वर्ण
1. कंठ्य वर्ण	अ, आ, कवर्ग, विसर्ग और ह
2. तालव्य वर्ण	इ, ई, चवर्ग, य और श
3, मूर्द्धन्य वर्ण	ऋ, टवर्ग, र और ष
4. दंत्य वर्ण	तवर्ग और स
5. वर्त्स्य वर्ण	ल
6. ओष्ठ्य वर्ण	उ, ऊ और पवर्ग
7. कष्ठ-तालव्य वर्ण	ए और ऐ
8. कण्ठोष्ठ्य वर्ण	ओ और औ
9. दन्तोष्ठ्य वर्ण	व
10 नासिक्य वर्ण	पंचमाक्षर और अनुस्वार
11. अलिजिह्व वर्ण	क, ख, ग, ज और फ

उच्चारण करने की स्थिति में एक ध्वनि के बाद दूसरी ध्वनि क्रमशः आती रहती है और ध्वनियों के मध्य आवश्कतानुसार अल्पकालिक विराम की अवस्था आती है । इसी को 'संगम' कहा जाता है । इस एक ध्वनि से दूसरी ध्वनि पर जाने के दो तरीके होते हैं-

(क) कभी वक्ता सीधे पहली से दूसरी ध्वनि पर चला जाता है । जैसे -

तुम् (तुम्हारा के उच्चारण में)

(ख) कभी वक्ता थोडा ज्यादा समय लता है । जैसे-

तुम हारे (तुम्हारे के उच्चारण में)

संगम के लिए किसी विराम चिन्ह की आवश्यकता नहीं पडती है । इसके प्रयोग से शब्दों या वाक्यों के अर्थो में भिन्नता आ सकती है । जैसे-

नफीस - सुन्दर (एक साथ उच्चारित होने पर)

न फीस-निःशुल्क (अलग-अलग उच्चारित होने पर)

सोना- स्वर्ण सो ना- मत सो

वाक्यों में प्रयोग देखें-

वह बैलगाडी खींचता है । (कोई व्यक्ति)

वह बैल गाडी खींचता है । (बैल के बारे में)

उच्चारण के समय जब स्वरों पर अधिक बल पडता है तब उसे बलाघात या स्वराघात कहा जाता है ।

यह तीन तरह का होता है-

1. वर्ण-बलाघात : इससे अर्थ में अन्तर आ जाता है। जैसे-पिट-पीट, लुट-लूट

इन उदाहरणों में स्पष्ट देखा जा रहा है कि 'पि' और 'लु' पर बलाघात के कारण अर्थो अंतर आ गया है ।

2. शब्द-बलाघात : इससे वाक्यों के अर्थों में स्पष्टता आती है ।

3. वाक्य-बलाघातः इसमें वाक्य के भिन्न-भिन्न पदों पर बलाघात के कारण भावों में अंतर देखा जाता है ।

ध्वनियों की उस छोटी से छोटी इकाई को 'अक्षर' कह जाता है, जिनका उच्चारण एक झटके में होता है । जैसे-

आ- एक ध्वनिवाला अक्षर

खा- दो ध्वनियों वाला अक्षर

बैठ- तीन ध्वनियों वाला अक्षर

अक्षर दो प्रकार के होते हैं-

1. बद्धाक्षर : जिसकी अंतिम ध्वनि हलंतयुक्त हो । जैसे- श्रीमान्, जगत्, परिषद् आदि ।

2. मुक्ताक्षर : जिसकी अंतिम ध्वनि स्वर हो । जैसे- खा, ला, पी, जा, जगत आदि ।

जब कोई व्यंजन वर्ण स्वयं से ही संयोग करें, तो वह 'युग्मक ध्वनि' और जब किसी अन्य व्यंजन वर्ण से संयोग करे तो वह 'वयंजन गुच्छ कहलाता है ।

शॉर्ट ट्रिक

वर्णों के उच्चारण स्थान के लिए इसे याद कर लें

'अकह विसर्ग' कण्ठराम । 'इचयश' भी हैं तालु राम ॥

'ऋटष' से जानो मूर्द्धा जी । 'लृतस' पुकारो दन्त जी ॥

'उप' आते हैं ओष्ठ में । केवल 'व' दन्तोष्ठ में ॥

'ए-ऐ' कहे कण्ठ-तालु । 'ओ-औ' कहे कण्ठोष्ठ में ॥

नासिका से पंचमाक्षर । जिह्वा रखो प्रकोष्ठ में ॥

Conjunction

- A conjunction is a word used to connect words, phrases, clauses or sentences.

Ex.

- Ankit and Shyam went to market.
- Neither my parents nor I am excited for the project.

Types of Conjunction: -

(1) Coordinating Conjunction.
(2) Correlative Conjunction.
(3) Subordinating Conjunction.

(1) Coordinating Conjunction: -

A coordinating conjunction joins words, phrases and clauses having similar grammatical structure.
The conjunctions are: -
'and, but, or, so, nor, yet, for'

- Word+ word
- Phrase + Phrase
- Clause+ Clause

Ex.

- He bought a book and a pen (two words)
- They met him at his home or at his office. (two phrases)
- She requested him for help but he did not help her.
(two clauses)
- He became ill so he thought he should go to a doctor.

(2) Correlative Conjunction: -

Correlative conjunction are paired words- They join words, phrases, clauses having reciprocal or complementary relation-ship.
The conjuncstion are: - [Either or, Neither-nor, Whether-or, Both - and, Not only - but also.]

Neither of means none of the two. When more than two person or things are present none of is used.

Ex.

- Neither of his friends helped him (×)– More than two persons [None of his friends helped him (✓)]

- (Either of) (×)/ One of (✓) the students of your class is responsible for this loss.

(i) Not only.... but also:-

In this construction important word (Noun/adjective/verb) is placed after 'also' to make it prominent. In this structure not only and but also can go immediately before the words or expressions that they modify.

Ex.

- Not only the President Visited China but also Japan. (×)
The president visited not only China but also Japan.
(But also के बाद Japan (Noun) है तो Not only के बाद भी Noun (China) ही आएगा)
- Madhav talks not only to me but also helps (Verb) me. (×)
Madhav not only talks(verb) to me but also helps (verb) me. (✓)

(ii) Neither- nor:-

This structure is used to Join two negatives ideas. It is opposite of 'both… and".

Ex.

- He neither looked at me nor (Pronoun) him. (×)
He looked at neither me nor him. (✓)

- Neither Ram nor Shyam have come. (×) (the verb will agree with the nearest subject)
- Neither Ram (Noun) nor Shyam (Noun) has come. (✓)
- I neither smoke nor drunk. (✓)

(iii) **Either or: –**

To talk about a choice between two possibilities.

Ex.

- Either Ram or his friends have come. (✓)
- Either the children will choose black or blue car. (×)
  The children will choose either black or blue car. (✓)
- He is either a manager or an assistant. (✓)

(iv) **Both….and: –**

The conjunction both is followed by and.

Ex.

- He is both intelligent and hard working.
- Both Ajit (as well as) Aman are involved in the case. (×)
- Both Ajit and Aman are involved in the case. (✓)

(v) **Whether …. or: –**

(Exam में whether के साथ if देकर Error बनाया जाता है।)

Ex.

- He asked me If I was coming or not. (×)
  He asked me whether I was coming or not. (✓)
- I do not care whether you sit or stand. (✓)

(3) **Subordinating Conjunction: -**

A subordinate (dependent) clause to a main (Independent) clause. The conjunctions are although because, before, if, how, since, once, till, until, where, when, whenever, whether, after, while, no matter how, provided that, as soon as, even if etc.

- Main clause+ subordinate clause.
- Subordinate clause + main clause.

Ex.

- You will succeed in life provided that you think optimistically.
- I will help whenever you need me.
- I will not tell him the secret even if he insists a lot.
- As far as I know, he is a very nice person.
- All the shops were closed because it was late.

Some other important conjunctions

Hardly, Rarely, Scarcely, Barely	when
No sooner	than
Seldom	if ever
Seldom	or never
Though	yet
Although	yet
As	as
So	as
Lest	should
Too	to
So	that
Between	and
From	to
Else	but
Other/Rather	than
Such	that
Whether	or
The same	that
Both	and

Not only	but also

Examples:-

(1) Though he worked hard but he failed. (remove but use yet)
(2) The party is between 7P.M. and 9 P.M. (No error)
(3) You can see him between 09:00 am to 12:00 P.M. (remove to use and)
(4) The party is from 7P.M. to 9 P.M. (No error)
(5) I have no other aim but to succeed in life.
Ans. (No other….. than) [So use, Then instead of But]
(6) I am so happy. [I am very happy]
(7) Hardly had the theif seen the police then/when he started running. (✓)
(8) Seldom if never have I hurt you. (×)
Ans. Seldom if ever have I hurt you. /Seldom or never have I hurt you.

Rule

- **Conjunction like:-**
  as, because, due to, owing to and since when start the sentence, the next part of the sentence will not carry: – [So, therefore, thus]

(9) As I was ill so I did not come. (×)
Ans. As I was ill, I did not come. (✓)
(10) Since his father is coming, therefore he will be late today.
Ans. Since his father is coming (remove therefore) he will be late today.
(11) Since I was ill, so I could not come. [remove'so']
Ans. [with since/as/because we must not use so]
(12) No sooner did he see me, when he run away. (Change "when" with "than")
(13) When I come, then I will meet you. (remove 'then')
Ans. [We must not use then, so remove 'then']

Rule:-

The adverb 'Not' should not be used with the connective till/unless/lest/until in that clause.

(14) You cannot pass the exam unless you don't work hard. (remove 'don't')
(15) Unless they donot work sincere, they will not succeed. (remove donot)

Rule:-

There is difference between until and unless.
'Until' is time oriented.
and
'Unless' is action oriented.

(16) Until the light turns red, no one will stop. (✓)
(17) Unless you work hard, you won't succeed. (✓)
(18) Till (×)/(until) (✓) the train gets the signal, it will not proceed.
- (we do not begin a sentence with 'till'. till' must be converted into 'until')

Rule:-

The connecting word' that' is used with the adjective phrase 'the same/ the only/superlative adjective/all.

(19) This is the same book which I wanted. (×)
Ans. This is the same book that I wanted. (✓)

Rule:-

Make sure that the Phrases joined by conjunctions are parallel/ share the same structure.

(20) I work quickly and am careful. (×)
Ans. I work quickly (adverb) and carefully. (adverb) (v)

(21) [Although/ though is followed by yet or a comma (,)]

- Though he worked hard he failed. (×)
  Though he worked hard, he failed. (✓)
- Although these books are costly but (×)/Yet (✓) the students buy them because these are useful.

Rule: -

The conjunction so…as/as….as is used to make comparison between two persons and things.

- So….as is used in negative sentences
- But as…as is used in both affirmative and negative sentences.

(22) He is not as good as you. (×)
Ans. He is not so good as you. (✓)
(23) He is as good as you. (✓)
(24) He is not as good as you. (✓)

Rule:-

In affirmative sentences doubt and doubtful are followed by if whether.
In negative or interrogative sentences doubt and doubtful are followed by that.

(25) I doubt If (✓) he will come. (+ve)
(26) I do not doubt whether (×)/that (✓) he will come. (Negative sense)

Exercise

Q.1 If you don't know the answer/ to a question/ make a guess and/ come back to it later.

Q.2 He went to the cinema hall/to accompany his friends/even if he had seen the movies.

Q.3 This is useful and important rule/for the exams, and/difficult to remember.

Q.4 I needed that money/so desperately, it was/like manna from heaven when it arrived.

Q.5 You must either surrender to the Police/else be prepared/to be arrested any time.

Q.6 Your success in the IAS examination depends not only on/what papers you have selected/but on how you have written them.

Q.7 No sooner had/he arrived then/he was asked to leave again.

Q.8 I haven't been to New York before and/neither my sister.

Q.9 When you are told to begin you/will have 30 minutes to do as/many questions as much as you can.

Q.10 We are extremely pleased/for excited as well to invite you/to attend the meeting.

Q.11 The robbers had hardly put the money/in their bag than/the doorbell rang.

Q.12 The reason why/he was rejected/was because he was too young.

Q.13 Many of the founding fathers/of our nation were so honest as Dr. Rajendra Prasad/if not more.

Q.14 When deep sea diving, one should always. / take care that oxygen cylinder is/tied to the back tighty.

Answers

1. Replace "and" by "or"
2. Replace "even if "by"even though"
3. Replace "and" by "but"
4. So must be followed by that.
5. Replace "else" by "or"
6. But also follows not only. Add also affer but.
7. No sooner is followed by than and not then.
8. "Neither has my sister" is the correct sentence form.
9. Eliminate "much as"
10. Pleased and (✓) excited.
11. (Than)–When (✓) (hardly……. when)
12. "Because" cannot come with the reason "why"
13. So honest (×) – as honest as (✓)
14. When (×)–While (✓)

Time and Tense

On the basis of time of an action performed, we can divide sentence into the following three tenses:-

(1) Present Tense
(2) Past Tense
(3) Future Tense

Again on the basis of state of an action performed, we can further classify each tense into following four parts

(i) Simple Indefinite Tense
(ii) Progressive/Continuous Tense
(iii) Perfect Tense
(iv) Perfect Continuous Tense

(1) Present Tense:–

(i) Simple/Indefinite Tense →
(Subject+ $Verb_1$(s/es)+ Object)

Uses:-

(a) **Habitual/Repeated/Regular Actions:-**
(Generally these adverbs are used to express habitual or regular actions.)
- Always, often, sometimes, generally, usually, occasionally, Rarely, Never, Everymonth, Every week, once a month etc.

Ex.
- I get up at 6 a.m. every morning.
- He takes tea without sugar.
- My father reads newspaper everyday.

(b) **Universal truth, principal and permanent activities:-**

Ex.
- Water is boiling at 100^0C. (×)
  Water boils at 100^0C. (✓)
- The earth moves around the sun.
- Man is mortal.

(c) **Possession**
- This bag belongs to me.
- We have a big car.

(d) **To express mental activities emotions and feelings**
Notice, recognize, see, hear, smell, appear, look, seem, want, wish, desire, feel, like, love, hate, hope, refuse, prefer, think, suppose, believe, agree, consider, trust, know etc.

Ex.
- We believe in our rituals.
- My father understands me very well.
- My teacher thinks that I study late at night.
- It is appearing to me that you are \ plotting against your friends and their parent. (×)
  It appears to me (✓) - (Present simple tense)

(e) **Live Broadcast or telecast:–**
Match, Drama, Film and Serial and Newspaper headlines.

Ex.
- Sachin hits a boundary.
- In the film, my brother plays the role of lord Krishna.

(ii) **Present Continuous Tense→**

[Sub + is/am/are+V_{ing}+Object]

(a) **These are generally used in continuous sentence:-**

Now, at present, at the moment, this morning, this evening, currently etc.

Ex.

- Mr. Kapoor is teaching English language at present.
- My Mother is knitting a sweater at the moment.

(b) **For fixed programme or plan of the nearest future**

[Tonight, tomorrow, next month, next week ,2O' clock, 9O' clock etc.]

Ex.

- We are going to Mumbai tonight
- My father is coming tomorrow.

(c) **Background time taken action like**

- **Verbs of Perception:-**
  See, Smell, hear, taste, feel, notice, appear, seem etc.
- **Verbs of Emotion:-**
  Hope, want, desire, believe, doubt, detest, Fear, love etc.
- **Verbs of Thinking:-**
  Think, suppose, agree, consider, perceive understand, etc.
- **Verbs of Possession:-**
  Belong, have, own, possess, contain, keep, owe, lack etc.

If these verbs used in static sense or sative sense we never use 'ing' with these verbs.

- **Sative Sense**

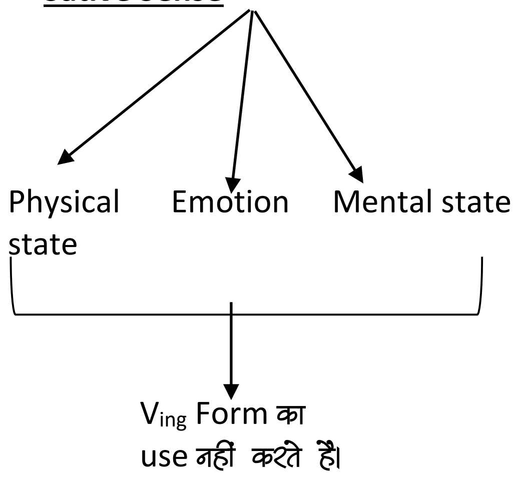

- **Dynamic Sense**

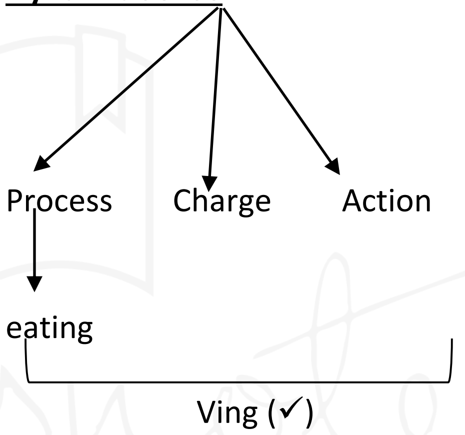

Ex.

- I think it is wrong to hit children–सोच है (Mental State है) (✓)
- I am thinking about buying a new car– सोचना (Process) (✓)
- I like chocolate cake, but I prefer vanilla cake. (✓)
- I cannot talk right now, I am eating dinner (✓)

Q. I didn't steal the neckless (i) / I was sleeping (ii) /when someone broke into the shop/No error.

Ans. Part(ii) – Sleeping (×) – Sleep (✓)

(iii) **Present Perfect→**

(a) These words can never be present in the present perfect sentence.
Last year, last week, yesterday, the day before yesterday, the other day, some days ago, there days ago etc.

Ex.

- They have established the company last year. (×)
  They established the company last year. (✓)

(b) Sub.+has/have+ V_3+Object

(c) When we use yet, so far, uptill now, ever in a sentence to show time expression then we generally use verb in present perfect tense.

Ex.

- We sent call letters to many candidates but only a few had reported so far.
  had– have
  (×) (✓)

(iv) **Present Perfect Continuous→**
Subject+has/have+been+v_{1+ing} +object + since/for+time

An action which began at sometime earlier in past and is still continuing.

Ex.

- They have been playing cricket since morning. (✓)
- They have been playing cricket for 3 hours. (✓)

- **Since–**[Point of time /certain time/origin/starting point]

Ex.

•	Since 8 O' clok	Since 2010
•	Since 9 a.m.	Since last month
•	Since this morning	Since childhood
•	Since a few years ago	Since last tuesday
•	Since I became a teacher	Since last year

- **For**:- का प्रयोग (Uncertain time/period of time/duration of time/from starting of the period to end of the period)

Ex.

•	For some days	For a week
•	For three hours	For a decade
•	For few months	For a fortnight (2 week का time)
•	For 10 seconds	

Ex.

- They have been doing the job for last year. For (×)–Since(✓)
- She has been doing this work for 2 hours. (✓)
- She has been singing a song since morning. (✓)

(2) **Past Tense**
To indicate actions completed in the past.

Ex.

- The building was built in 2001.
- My family came to see me last night.

(i) **Past Indefinite→**

(a) Subject + $Verb_{II}$+ Object

(b) If we use "yesterday", ago and last week to indicate the time expression in sentence than we generally use verb in simple past (v_2) tense.

Ex.

- I don't know where he is now but I saw him yesterday.
- They went to Agra yesterday.
- My family came (V_2) to see me last night.

(c) After these phrasal expression

It is time ← (To+V_1)
It is high time ← या
It is about time ← (V_2)
It is peace time ← का use होता है।
[इसके बाद would/should) का use नहीं होगा]

Ex.

- It is high time to tell the truth. (✓)
- It is high time that we should (×) tell(x) the truth. (×)
  It is high time that we told (v_2) the truth. (✓)
- It is high time you started (v_2) your preparation.

(d) To show a past habit

Ex.

- She always prayed to god.
- I played (v_2) cricket in my childhood.

(e) This tense is used in conditional sentence to indicate a condition which is unlikely to occur.

Ex.

- I wish I knew (V_2) singing
- If Ravi came(v_2) we would congratulate him.

(ii) **Past Continuous→**

(a) Subject+ was/were+V_{ing}+ object

Ex.

- When I visited her, she was cooking paneer.

(1)	When + + Past cont.,Simple Past	When I was sleeping (Past Continue), someone knocked (Simple Past) at my door.
(2)	When + past simple, past cont.	When I visited (Simple) home, my Mother was cooking (Continue) food.
(3)	While + Past cont., Past continue	While I was studying, My brother was playing video game.
(4)	While+ Cont.,Past Simple	While making thousands of mistakes, Edison invented the light bulb.

(iii) **Past Perfect→**

(a) Sub+had+V_3+Object

Ex.

- He had completed his homework before I reached his place.

(b) To describe an action that got over before the given time in the past:-

Ex.

- The crops had ruined before it rained.
- I came (v_2) after he had gone.
- I saw him before he staked his car. (×)
- I had seen him before he staked his car.(✓)
- She had reached his house much earlier.

(I)	(II)
First action	Second action
Past Perfect (had +V_3)	(V_2)

(c) To express unfulfilled wish in the past

Ex

- I had hoped that he would pass.
- She had expected his arrival, but he did not come.

(iv) **Past Perfect Continuous→**

(a) Subject+had been+v_2+ing + obj.+ since/ for + time

(b) To describe an action that began prior to a certain point in the past and continued up to a particular point.

Ex.

- My friend had tried to solve the sum for more than 2 hours when I reached his home. (×)
  My friend had been trying (✓)
- At that time she was sleeping for 7 hours. (×)
  At that time she had been sleeping for 7 hours. (✓)
- When Mr. Mukerjee came to school in 1995, doctor anand had already been teaching there for 5 years.
- He had been reading since morning.

(c) It is used to express a repeated action in the past.

Ex.

- I had been trying to contact you.
- He had been trying to get a good job.

(3) Future Tense

(i) **Future Indefinite→**
This tense expresses an action that is expected to be finished in near future.

(a) Subject + will/ shall+ object

Ex.

- She will call you.
- Will she not call you?
- Will she call you?

Will:- Generally II[nd] and III[rd] person के साथ use होता है ।

Shall:- Generally 1[st] person के साथ (I, we)

Ex.

- If we use promise, threat, determination, law, notice तो will के साथ भी I[st] Person.

Ex.

- We shall have our dinner at night – shall मतलब (शायद)
- We will have our dinner at night– Fix (will not)
- Will I go? (×) Shall I go? (✓)
- He took his examination next year. (×)
  He will take his examination next year. (✓)

(b) To show conditional actions that have adverb clause, Present Indefinite Tense along with 'unless, untill' when, if

Ex.

- Unless she works hard, she will not pass.
- If you run fast, you will win the race.

(ii) **Future Continuous Tense→**

(a) Subject + will/ shall+ be + v_{I+ing}+ object

Ex.

- He will be studying here for the entire weekend.
- They will be staying here for the next one month.
- Will she be cooking food at this time tomorrow?

(iii) **Future Perfect Tense→**

(a) Subject + will/shall+have +V_3+ object

(b) To indicate the completion of an action by a certain time in the future.

Ex.

- His brother will have finished the work by 5 O' clock.
- They will have come back home by evening.

Note:-

In Future Perfect Tense, when an action is expected to be completed in near future, till are used before the adverb of Future.
("by tomorrow, till next week, by Monday")

Ex.

- I shall have finished your work by tomorrow.
- I shall have written my exercise by then.

(c) To show an action in which 'when' or 'before' is followed by present Tense.

Ex.

- I will have completed this task before (present tense) she comes.
- He will have reached school before the bell rings.

(iv) **Future Perfect Continuous→**

(a) Subject+will/shall+have+been+V_{ing}+ object+ from/ for + time

To indicate an action that will continue in a period of time in the future.

Ex.

- He will have been working from morning.
- He will have been playing cricket for two days.

Note:-

Future Perfect Continuous denotes continuous action while future perfect denotes completed action.

Ex.

- By the end of this month, I will have been traveling for 6 months. (Continuous Action)
- By the end of this month, I will have travelled for 6 months. (Completed action)